EDITION IND ಕನ್ನಡ മലയാളം বাংলা తెలుగు தமிழ் मराठी ગુજરાતી Samayam English Pregatips लॉगिन

NBT नवभारत टाइम्स
By THE TIMES OF INDIA

भारत राज्य दुनिया फीफा वर्ल्ड कप लाइफस्टाइल धर्म बिजनेस मनोरंजन रियल एस्टेट लीगल हेल्थ टेक शिक्षा More शहर

गूगल न्यूज़ में हमारे साथ जुड़ें NBT को सिलेक्ट कर

ट्रेंडिंग टॉपिक्स राज ठाकरे पर भड़के यूजर कैबिनेट फेरबदल की अटकलें ब्रेकिंग न्यूज सक्सेस स्टोरी

Hindi News / India / Acharya Prashant Kishor Exposing The Cleanliness Of Developed Nations Who Will Account For Carbon Emissions And Hidden Dirt

विकसित देशों की सफाई का असली हिसाब कौन देगा?

Contributed By: आचार्य प्रशांत | नवभारत टाइम्स • 5 Jul 2026, 8:28 pm IST

Subscribe YouTube 12M

आचार्य प्रशांत ने ब्रिटेन दौरे के अनुभवों के आधार पर विकसित देशों के पर्यावरणीय दावों पर सवाल उठाए। उन्होंने रिचमंड पार्क में हिरणों की हत्या, कार्बन उत्सर्जन और उद्योगों के स्थानांतरण का उदाहरण देते हुए कहा कि केवल तकनीक नहीं, जीवनशैली और अहंकार भी प्रदूषण के कारण हैं।

इन दिनों मैं ब्रिटेन के दौरे पर हूं। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और ब्रिटिश पार्लियामेंट में बोध, स्वतंत्रता और जलवायु संकट पर चर्चा के बाद लंदन स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स में प्रफेसर जोनाथन बर्च के साथ पशु चेतना और पर्यावरण पर लंबा सार्वजनिक संवाद हुआ। उसी शाम मैं रिचमंड पार्क गया। हिरण घास पर

ADVERTISING

Great teams are built on trust, performance, and protection — on and off the As an Official FIFA Technology Partner, Lenovo is helping power the future of global football with smarter technology and enterprise-grade security solutions. From devices used behind the scenes to the digital infrastructure that keeps operations running seamlessly, Lenovo ThinkShield and Digital Workplace Solutions are designed to protect people, devices, identities, and data at every level. In a fast-moving digital world where every connection matters, Lenovo enables organizations to stay secure, productive, and ready for anything. With advanced endpoint protection, proactive threat prevention, secure remote collaboration, and AI-powered workplace solutions, ThinkShield delivers built-in security that works silently in the background — so teams can focus on performance, innovation, and the moments that matter most.

आज का AQI नई दिल्ली

तापमान वायु गुणवत्ता

72 AQI
PM2.5 22 µg/m³
मॉडरेट

Powered By AQI

वीडियो

Modi Cabinet Reshuffle 2026: अमित शाह को मिलेगा गृहमंत्री से भी बड़ा रोल?

बेफिक्र चर रहे थे, खरगोश झुरमुटों से कूद-कूदकर निकल रहे थे। पहली नजर में पार्क यही कहता दिखता है: प्राणियों को कैसी आजादी, कैसी सुरक्षा! फिर पता चला कि इसी पार्क से हर साल लगभग 200 हिरण योजनाबद्ध ढंग से मार दिए जाते हैं।

यह पार्क 17वीं सदी में राजा चार्ल्स प्रथम ने शिकार के लिए बनवाया था। सदियां बीती, शिकार बंद हुआ, पर हिरण उसी घेरे में रहे। यानी पहले बसाओ, फिर बसाहट को समस्या बताओ और उस समस्या का हल हत्या बताओ। और यह हत्या होती भी है तो इतनी चुप्पी से, इतने अंधेरे में कि किसी आने वाले को भनक तक न लगे, ठीक वैसे ही जैसे बूचड़खाने शहर की नजर से दूर रखे जाते है। हो सकता है कि असली गंदगी सिर्फ छुपा दी गई हो। यही सवाल पूरे शहर पर लागू होता है। लंदन की सड़कें चमकती है, लॉन इतने बेदाग कि आंखें ठहर जाएं। असली परख यह है: यह चमक किसकी सेवा में है और किसकी कीमत पर?

Afghanistan Pakistan War: तालिबान के लड़ाकू ने पाकिस्तान में मचाई तबाही, आतंकियों की...

1st July 2026 Rule Change: एलपीजी सिलेंडर, आधार कार्ड से लेकर कार खरी...

Pakistan Airstrike on Afghanistan: भारत ने दोस्त अफगानिस्तान को लेकर कैसे...

विकसित देश एक भाषा बोलते है: 'स्वच्छ ऊर्जा, स्वच्छ तकनीक।' इस भाषा को ध्यान से परखिए। जिस पल आप किसी तकनीक को 'स्वच्छ' कहते है, उसी पल आप मान चुके होते है कि स्वच्छता का मतलब है कम कार्बन। यानी आपने खुद स्वीकार कर लिया कि जहां कार्बन ज्यादा, वहां गंदगी। अगर यह तर्क मशीन के लिए सच है तो मशीन चलाने वाला समाज इससे कैसे बच निकले? कार्बन ही पैमाना है तो मानिए, तकनीक भले स्वच्छ हो, देश गंदा रहा। और इसी पैमाने पर भारत, जो प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन के मामले में दुनिया के सबसे कम उत्सर्जन वाले गिनती के देशों में से एक है, तर्क की कसौटी पर सबसे स्वच्छ देशों की कतार में आ खड़ा होता है। जो आज दूसरों को अविकसित' और 'गंदा' कहकर तौलते हैं, उन्हें आईना दिखाने के लिए उनकी अपनी ही परिभाषा काफी है।

रेकमेंडेड खबरें

अवैध कोयला खनन और चोरी: गृह मंत्री अमित शाह ने जीरो कोल लिकेज पर दिए खास निर्देश,...

PM Modi Indonesia Visit: पीएम मोदी इंडोनेशिया में प्रम्बानन मंदिर जाएंगे, पूर्व डिप्लोमैट ने...

'चंपत राय चतुर आदमी, रथयात्रा के दौरान जमा 1400 करोड़ रुपये का हिसाब नहीं', मौलाना साजि...

सऊदी अरब, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, रूस, अमेरिका जैसे देश 17 से 23 टन के दायरे में है। भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन महज 2 टन, और इसमें भी बड़ा हिस्सा उन चीजों के उत्पादन में खपता है जो किसी दूसरे देश की मेज

पर पहुंचती है, यानी भारत अपना नहीं, दूसरों का कार्बन भी उठा रहा है।

ब्रिटेन के अपने आंकड़े इस तर्क को और पैना कर देते है। 1990 के बाद से सीमाओं के भीतर उत्सर्जन 54 प्रतिशत गिरा है। पर जब आयातित चीजों का कार्बन भी जोड़ा जाए तो यह गिरावट 20 फीसदी तक सिमट जाती है। बाकी की कमी, कमी नहीं, स्थानांतरण है। भारी उद्योग उसके धुएं समेत, बाहर भेज दिया गया, मगर जो मांग उस उद्योग को खड़ा रखती थी, वह यही की यहीं रह गई। यहां यह भी सराहना करनी होगी कि यूरोप ने, ब्रिटेन ने, फ्रांस ने, नीदरलैंड्स ने उत्सर्जन घटाने की दिशा में कुछ सच्चे प्रयास किए है। कदम पूरे नहीं पड़े, पर इरादा खोखला नहीं था। लेकिन इस पूरी तस्वीर में एक देश है जो किसी भी जवाबदेही से बाहर खड़ा दिखता है और वह है अमेरिका। जिसने सबसे ज्यादा जलाया, वह सबसे कम जवाबदेह है। सफाई से सचमुच प्रेम होता, तो गंदगी ढकी नहीं जाती, मिटाई जाती। बूचड़खाने को दूर भेजने के बजाय बंद किया जाता, इंडस्ट्री की मांग घटाई जाती, सिर्फ उसका पता न बदला जाता।

'इनकी पूरी पॉलिटिक्स वॉट्सऐप ग्रुप्स पर टिकी है', संबित पात्रा की साइबर शिकायत पर पवन खेड़ा...

'लोकतंत्र की चक्की धीमी चलती है लेकिन बारीक...', रिजिजू ने अटल बिहारी वाजपेयी का वीडि...

तो फिर असली सफाई का अर्थ क्या है? अहंकार ही भीतर की गंदगी है और अहंकार ही बाहर भी गंदा करता है। जो भीतर मैला है, वह बाहर कितना भी चमकाए, सफाई नहीं होती, सिर्फ गंदगी का चेहरा बदलता है। इसलिए असली सफाई का एक ही अर्थ है: अहंकार का क्षीण होना।

रिचमंड पार्क की वह शाम अब भी आंखों में है, हिरण उतने ही बेखबर चर रहे होंगे, शहर उतना ही बेदाग चमक रहा होगा। पर जिस दिन कार्बन का भी कोई रंग होगा, उस दिन तय हो जाएगा कि असली गंदगी कहां है। तब तक यह सवाल बना रहेगा: विकसित देशों की सफाई का असली हिसाब आखिर कौन देगा?

(लेखक के बारे में: आचार्य प्रशांत एक दार्शनिक और लेखक हैं। उनका कार्य आत्म-अन्वेषण और उसके समकालीन जीवन में अनुप्रयोग पर केंद्रित है।)

कन्वर्सेशन शुरू करें | कमेंट पोस्ट करें

India

की ताजा खबरें, ब्रेकिंग न्यूज, अनकही और सच्ची कहानियां, सिर्फ खबरें नहीं उसका विश्लेषण भी। इन सब की जानकारी, सबसे पहले और सबसे सटीक हिंदी में देश के सबसे लोकप्रिय, सबसे भरोसेमंद

Hindi News

डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म नवभारत टाइम्स पर

Top Trends

Japan PM India Visit Live Himachal Monsoon Ayodhya Accident Amarnath Yatra Route Map UP DSP Transfers List Bank Holidays in July 2026 New Rules From 1 July Pakistan Water Crisis Advit Jewels IPO Listing Indus Water Treaty Japan PM india Visit Vaibhav Sooryavanshi Box Office Collection ICC t20 Rankings Panama Canal ISRO Office Bomb Threat Kal Ka Mausam

Weather Update

Delhi Weather Patna Weather Lucknow Weather Noida Weather Indore Weather Meerut Weather Varanasi Weather Jaipur Weather Agra Weather Dehradun Weather

TOP Sections

National News Local News World News IPL 2026 Business News Crime News Legal News Entertainment News Government Schemes TV News Good News Jungle News Metro City News Weather Forecast

Languages Sites

Kannada News
Malayalam News
Bangla News
Telugu News
Tamil News
Marathi News
Gujarati News
Samayam News
English News
Pregatips News

About

About Us
Colombia Ads and Publishing
Terms and Conditions
Privacy Policy
Work With Us

Follow Us On

This website follows the DNPA's code of Conduct

Copyright - 2024 Bennett, Coleman & Co. Ltd. All rights reserved. For reprint rights :Times Syndication Service Cookie Settings